ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-७२
दिनांक-मंगलवार,१२ सितम्बर,२०१७

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३४.७ एवं २७.२ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९१ सुबह में एवं दोपहर में ६७ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.९ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.१ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २९.५ एवं दोपहर में ३५.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१३-१७ सितम्बर,२०१७)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १३-१७ सितम्बर,२०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

१. पूर्वानुमानित अवधि में आसमान में हल्के से मध्यम बादल आ सकते है, तथा इस अवधि मे कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है।
२. अधिकतम तापमान ३२ से ३५ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है, जबकि न्यूनतम तापमान २५ से २७ डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।
३. औसतन ५ से १० कि० मी० प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूरवा हवा चलने की संभावना है।
४. सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- पत्तागोभी की अगात किस्मों की बुआई नर्सरी में करें। इसके लिए प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्में अनुशंसित है।
- फुलगोभी की अगात किस्में कुऑरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, पूसा दीपाली एवं हाजीपुर अगात की रोपाई करें। अगात रोपी गयी फुल गोभी में पत्ती खाने वाली कीट (डायमंड बैक मॉथ) की निगराणी करे एवं प्रकोप दिखाई देने पर वचाव हेतु स्पेनोसेड दवा एक मी०ली० प्रति ४ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- अगात बोयी गई धान की फसल में गंधी बग कीट की निगराणी करे। इसके शिशु एवं पौढ़ दोनों शुरुआत में कोमल पत्तियों एवं तनों का रस चुसकर पौधें को कमजोर बना देती है। बालियाँ निकलने तथा दुध भरने की अवस्था में यह दाने को चुसकर खोखला एवं हल्की बना देती है, जिससे उपज काफी प्रभावित होता है। इस समय यह पौधे को अधिक क्षति पहुचाती है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकि वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल १० प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर १०-१५ किलोग्राम की दर से भूरकाव ८ बजे सुबह से पहले अथवा ५ बजे शाम के बाद बालियों पर करें। किसान भाई खड़ी फसलों में दवा का छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें।
- पिछात बोयी गई धान की फसल जो कल्ले बनने की अवस्था में हो, में ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। कहीं-कहीं अगात बोयी गई धान की फसल जो बाली निकलने की अवस्था में आ गई हो, में ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- उचॉस जमीन में सितम्बर अरहर की बुआई १५ सितम्बर तक संपन्न करें। इसके लिए पूसा-९ तथा शरद प्रभेद अनुसंशित है। सब्जियों की फसल फुल गोभी, मिर्च, बैगन एवं प्याज में निकाई-गुड़ाई करें।
- दूधारू पशुओं को हरे चारे के साथ-साथ सूखा चारा (५०:५०) के अनुपात में खिलायें तथा २०-३० ग्राम खनिज मिश्रण व नमक प्रतिदिन दें। पशुघर के आस-पास मच्छर, मक्खी और कीड़े पनपने से रोकने के लिए चूना का छिड़काव करें। मवेशियों को संक्रामक रोगों से बचाने के लिए पशु चिकित्सक की सलाह से टीकाकरण करावें।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.० डिग्री सेल्सियस	आज का न्यूनतम तापमान :२७.५ डिग्री सेल्सियस

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी